ज्ञान सागर

(कक्षा-छठी)

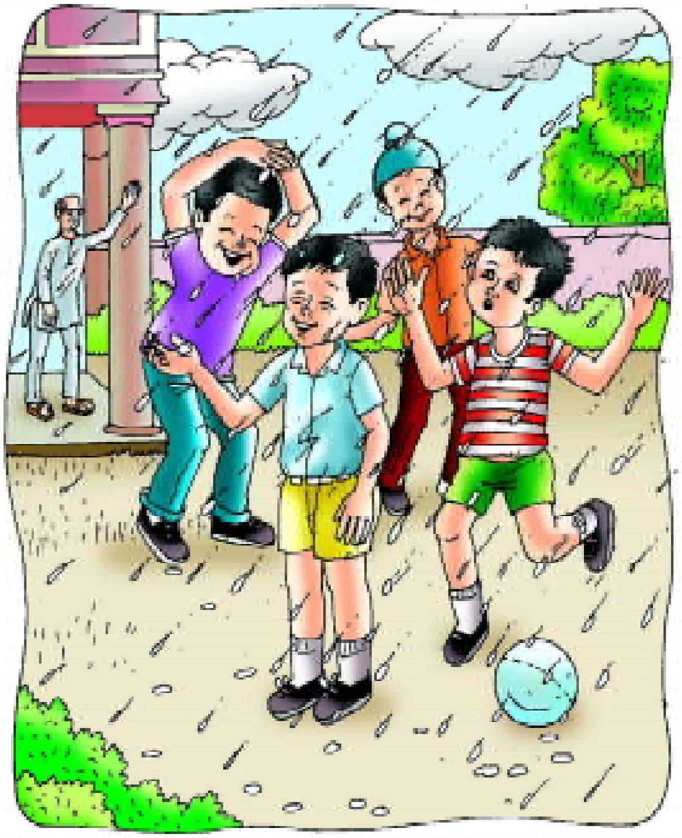

प्रकाशन विभाग

डी.ए.वी. कॉलेज प्रबंधकर्त्री समिति

चित्रगुप्त मार्ग, नयी दिल्ली-110055

विषय-सूची

क्रम संख्या	पाठ	रचनाकार	पृष्ठ संख्या
1.	साथी हाथ बढ़ाना (कविता)	साहिर लुधियानवी	1
2.	चिट्ठी के अक्षर (कहानी)	व्यथित हृदय	4
3.	बरसते जल के रूप अनेक (कहानी)	शिवशंकर	11
4.	पुरस्कार (कहानी)	देवदत्त द्विवेदी	16
5.	*सीखो (कविता)	विनोद चंद्र पाण्डेय 'विनोद'	22
6.	अनोखा वरदान (कहानी)	मनोज दास	23
7.	सुंदर लाल (जीवनी)	–	29
8.	नजानू कवि बना (एकांकी)	निकोलाई नोसोव/कविता सुरेश	34
9.	दोहे (पद्य)	अब्दुर्रहीम 'खानखाना'	42
10.	पोंगल (निबंध)	–	45
11.	*तेनालीराम ने चोरों को उल्लू बनाया (कहानी)	–	50
12.	दस आमों की कीमत (कहानी)	आर.के. नारायण	52
13.	अनोखी दौड़ (पत्र)	–	58
14.	एक रोमांचक यात्रा (यात्रा-वृत्तांत)	जवाहर लाल नेहरू	63
15.	परिश्रम (कविता)	विनोद चंद्र पाण्डेय 'विनोद'	67
16.	*धान का महत्त्व (निबंध)	रमेश दत्त शर्मा	71
17.	यात्रा और यात्री (कविता)	हरिवंशराय बच्चन	75
18.	पंच परमेश्वर (कहानी)	प्रेमचंद	78
19.	*सिकंदर और साधु (कहानी)	व्यथित हृदय	85
20.	आया वसंत (कविता)	सोहनलाल द्विवेदी	88

* केवल पढ़ने के लिए हैं। परीक्षा में इनमें से सवाल नहीं पूछे जाएँगे।

1

साथी हाथ बढ़ाना

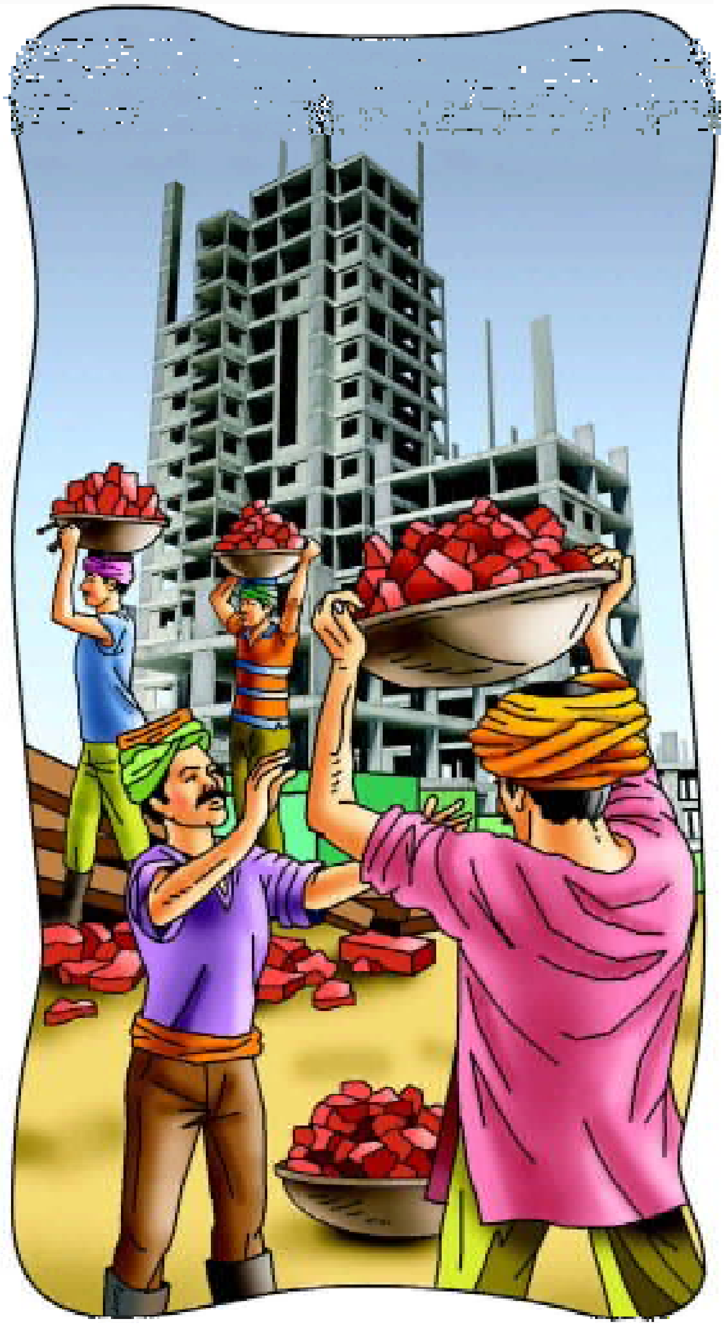

साथी हाथ बढ़ाना
एक अकेला थक जाएगा, मिलकर बोझ उठाना।
साथी हाथ बढ़ाना।

हम मेहनतवालों ने जब भी, मिलकर कदम बढ़ाया,
सागर ने रस्ता छोड़ा, **परबत** ने **सीस** झुकाया,
फ़ौलादी हैं सीने अपने, फ़ौलादी हैं बाँहें,
हम चाहें तो चट्टानों में पैदा कर दें राहें,
साथी हाथ बढ़ाना।

मेहनत अपने लेख की रेखा, मेहनत से क्या डरना,
कल **गैरों** की खातिर की, आज अपनी खातिर करना,
अपना दुख भी एक है साथी, अपना सुख भी एक,
अपनी मंज़िल सच की मंज़िल, अपना रस्ता नेक,
साथी हाथ बढ़ाना।

एक से एक मिले तो कतरा, बन जाता है दरिया,
एक से एक मिले तो **ज़र्रा**, बन जाता है **सेहरा**,
एक से एक मिले तो राई, बन सकती है परबत,
एक से एक मिले तो इंसाँ, बस में कर ले किस्मत,
साथी हाथ बढ़ाना।

–साहिर लुधियानवी

शब्दार्थः परबत–पर्वत; **सीस**–शीश, सिर; **फ़ौलादी**–फ़ौलाद (लोहे) से बना बहुत कड़ा या मज़बूत; **गैरों**–पराए; **ज़र्रा**–छोटा कण; **सेहरा**–रेगिस्तान

अभ्यास

कविता में से

1. मेहनत करने वाले मनुष्यों के मिलकर कदम बढ़ाने से सागर और पर्वत क्या करते हैं?
2. मेहनती व्यक्तियों का रास्ता और मंज़िल कौन-सी होती है?
3. **उचित उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

   (क) इंसान के अपने लेख की रेखा क्या है?

   ☐ आराम ☐ मेहनत ☐ कोशिश ☐ सहजता

   (ख) एक से एक कतरा मिले तो क्या बन जाता है?

   ☐ दरिया ☐ रास्ता ☐ धरती ☐ आकाश

4. **कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–**

   (क) फ़ौलादी हैं .... अपने, फ़ौलादी हैं बाहें
   हम चाहें तो .... में पैदा कर दें राहें

   (ख) .... गैरों की खातिर की, आज .... खातिर करना
   अपना .... भी एक है साथी, अपना .... भी एक

बातचीत के लिए

1. 'हम चाहें तो चट्टानों में पैदा कर दें राहें'–इस पंक्ति से आप क्या समझते हैं?
2. आप किन्हें अपना साथी मानते हैं और क्यों?
3. आप साथियों के साथ मिलकर कौन-कौन से काम कर सकते हैं?
4. 'साथी हाथ बढ़ाना' पंक्ति का क्या भाव है? आपने कब-कब दूसरों की सहायता के लिए हाथ आगे बढ़ाया है? किसी एक घटना के बारे में बताइए।

अनुमान और कल्पना

1. यदि कोई व्यक्ति अकेला ही सारे काम करेगा तो क्या होगा?
2. किन अवसरों पर लगता है कि सबका सुख-दुख एक हो गया है, बताइए।

भाषा की बात

1. 'मिल' + 'कर' जोड़ने से 'मिलकर' शब्द बना है। अब आप भी तीन शब्दों में 'कर' जोड़कर नए शब्द बनाइए–

   (क) .... + कर = ...

   (ख) .... + कर = ...

   (ग) .... + कर = ...

2. 'हाथों के तोते उड़ना'–हाथ से संबंधित मुहावरा है। अब आप 'हाथ' पर तीन मुहावरे ढूँढकर लिखिए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए–

   (क) **मुहावरा** – ....

   वाक्य – ....

   (ख) **मुहावरा** – ....

   वाक्य – ....

   (ग) **मुहावरा** – ....

   वाक्य – ....

जीवन मूल्य

- साथी हाथ बढ़ाना
  एक अकेला थक जाएगा, मिलकर बोझ उठाना।
- मेहनत अपने लेख की रेखा, मेहनत से क्या डरना
- एक से एक मिले तो इंसाँ, बस में कर ले किस्मत

1. क्या कवि ने सबको मिलकर मेहनत करके किस्मत बदलने की बात कही है?
2. क्या कवि का ऐसा संदेश देना उचित है? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

कुछ करने के लिए

1. फ़िल्म 'नया दौर' व उसमें इस गीत के फ़िल्मांकन को देखिए।
2. कक्षा में इस गीत को मिलकर गाइए।